ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-12-2024

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-18	2024-12-19	2024-12-20	2024-12-21	2024-12-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	17.0	17.0	16.0	16.0	15.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	7.0	6.0	6.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	65	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	25	25	25	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	3	2	3	2
पवन दिशा (डिग्री)	140	360	140	360	360
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी दिनों में बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.0-17.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0-7.0 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। उत्तर और दक्षिण-पूर्व से 2-3 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत ऐप" पर अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कम्पोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। बागों की गहरी जुताई माइग कीट, फल मक्खी, गुजिया घुन और वेबर कीट को नष्ट करने के लिए आवश्यक है। दलहनी फसलों की नियमित निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए। ज़मीन पर पाला पड़ने की स्थिति में सिंचाई करनी चाहिए। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली बड़ी कम वर्षा, सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान और सामान्य न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को इंगित करती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए यदि जमीन पर पाला पड़ता है तो सिंचाई करनी चाहिए तथा अन्य कृषि कार्यों को भी तदनुसार निर्धारित करना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।
मसूर की दाल	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रेपसीड	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
सरसों	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
गेहूँ	सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उपयुक्त कृषि पद्धतियों को नियमित रूप से किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
जौ	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज़ के अंकुरित पौधों की रोपाई खाद वाले खेतों में की जा सकती है।
आलू	घाटियों में ठंढ की स्थिति में आलू की फसल को उचित अंतराल पर सिंचित किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
गोभी	रोपाई की गई फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई-गुड़ाई का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
पालक	सिंचित घाटी में सिंचाई के बाद मेथी, पालक (पालक) और धनिया में गुड़ाई करनी चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
सेब	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
नाशपाती	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
आड़ू	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
बेर	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम के साथ पशुओं के नवजात शिशुओं में निमोनिया होने की संभावना अधिक रहती है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि पशु को ठंड से बचाया जाना चाहिए और गर्म भोजन दिया जाना चाहिए।
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	ठंढ/कोहरा होने पर, नियमित अंतराल पर खेतों में सिंचाई करनी चाहिए।